# ANNUAL SECONDARY EXAMINATION, 2013

## HINDI (हिन्दी)

**समयः 3 घण्टे]** **SET-A** **[पूर्णांक: 100**

**सामान्य निर्देश :**

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं यथा क, ख, ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिए गए निर्देश के आलोक में ही लिखें।

3. 1 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक एक शब्द या एक वाक्य में, 2 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में, 3 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 60 शब्दों में, 4 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में, 5 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में एवं 10 अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखें।

### खण्ड क : अपठित गद्यांश (20 अंक)

**प्रश्न 1. नीचे दिये गये गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए ।**

जाकिर साहब के बारे में कुछ बातें अविस्मरणीय हैं। 13 मई, 1967 को राष्ट्रपति का पद सँभालते हुए उन्होंने कहा था "सारा भारत मेरा घर है, मैं सच्ची लगन से इस घर को मजबूत और सुन्दर बनाने की कोशिश करूँगा ताकि वह मेरे महान देशवासियों का उपयुक्त घर हो जिसमें इंसाफ और खुशहाली का अपना स्थान हो।" उनकी विनम्रता ऐसी थी कि उन्होंने कहा था, “मैं स्वीकार करता हूँ कि हमारी जनता ने इस उच्चतम पद के लिए निर्वाचित करके मुझ पर जो विश्वास प्रकट किया है उससे मैं बहुत प्रभावित हुआ हूँ। यह भावना इस वजह से और प्रबल हो जाती हैं कि भारत के महान सपूत डॉ. राधाकृष्ण के बाद मुझसे इस पद को सम्भालने के लिए कहा गया है। मैं उनके कदमों पर चलने की कोशिश करूंगा, लेकिन उनकी बराबरी कैसे कर सकूँगा?

भारत के वे असली सपूत थे, इसका सबूत उन्होंने पदारूढ़ होने के एक दिन पहले तब दिया जब वे दिल्ली में शृंगेरी के जगदगुरु स्वामी शंकराचार्य से भेंट करने गए। जगतगुरु के सामने पुष्प और फल रखते हुए उन्होंने कहा था- आपका आशीर्वाद चाहिए और शंकराचार्य ने राष्ट्रपति के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दिया था। ऐसी ही एक और घटना याद आती है। उपराष्ट्रपति-निवास के अहाते में एक दिन सवेरे घूम रहे थे तो देखा कि माली के घर में कीर्तन हो रहा है। फिर क्या था, टहलते हुए उधर चले गये और सबके साथ एक कोने में दरी पर बैठ गए। जब कुर्सी लाने के लिए कहा गया तो बोले, “भगवान के घर में सब बराबर होते हैं। "-और दरी पर ही बैठे रहे। पटियाला में पंजाबी विश्वविद्यालय में गुरु गोविंद सिंह के संस्थान की नींव रखने को आपसे कहा गया तो बोले, "आपने मुझसे इस पवित्र संस्थान की नींव रखने को कहा है। इससे मुझे याद आता है कि अमृतसर में दरबार साहिब की नींव डालने के लिए भी एक मुसलमान को ही बुलाया गया था" और कहते-कहते उनका गला भर आया, आँखों से आँसू बहने लगे। बड़े-बड़े योद्धा सिख सरदार श्रोताओं की भी उस समय आँखें भर आईं।

अपने साफ-सुथरे सुरुचिपूर्ण खादी के कपड़ों और सुरुचि में सँवारी सफेद दाढ़ी के बीच चमकते हल्के गुलाबी और वर्ण मुखमंडल में जाकिर साहब प्रेम और आत्मीयता में गाँधी जी के अंतिम उत्तराधिकारी नजर आते थे। देश के आने वाले बच्चे बापू को भूल न जाएँ, इस संबंध में उन्होंने एक बार कहा था, "आप आज्ञा दें तो इस अवसर से लाभ उठाकर गाँधी के संबंध में कुछ आपसे कहूँ। उनको जानने और समझने से उनके काम को समझना और उसमें जी-जान से लगना जरा सरल हो सकता है। यह इसलिए और भी कहना चाहता हूँ कि अब दिन पर दिन उन लोगों की संख्या घट रही है। जिन्होंने गाँधी जी को देखा था, उनके साथ काम किया था, उनके बताए हुए रास्ते पर चले थे। जब वे दुनिया से गए तो ये लोग बच्चे थे। बहुत से पैदा भी नहीं हुए थे। उनकी गिनती अब दिन पर दिन बढ़ती ही जाएगी। नया काल होगा, नए हाल होंगे, नए जंजाल होंगे, ऐसा न हो कि यह नई नस्ल गाँधी जी और उनके कार्यों की तह में जो विचार थे उनको भुला बैठें। ऐसा हुआ तो हमारी सबसे मूल्यवान पूँजी बर्बाद हो जाएगी।"

**प्रश्न-**

(क) इस गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक दीजिए ।

(ख) जाकिर हुसैन कब राष्ट्रपति बने?

(ग) राष्ट्रपति का पद सँभालते हुए जाकिर हुसैन ने क्या कहा था?

(घ) राष्ट्रपति बनने के बाद सर्वप्रथम किससे आशीर्वाद प्राप्त किया?

(ड.) जाकिर हुसैन अपने माली के घर किस लिए गए?

(च) किस अवसर पर उनकी आंखें भर आई थी?

(छ) माली के घर कुर्सी पर बैठने को कहने पर उन्होंने क्या कहा था?

(ज) किस विशेषता के कारण वे गाँधी जी के अंतिम उत्तराधिकारी नजर आते थे?

(झ) किसे सबसे मूल्यवान पूँजी कहा गया है?

(ञ) जाकिर साहब की वेश-भूषा कैसी थी?

(ट) 'सपूत' की तत्सम शब्द लिखिए।

(ठ) 'जी-जान से लगना' का आशय स्पष्ट कीजिए।

**प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**

हमारा पर्यावरण हमारा रक्षा कवच है। ह हमें प्रकृति से विरासत में मिला है। यह हम सबका पालनकर्ता और जीवनधार है। वस्तुतः पर्यावरण रक्षण भारतीय संस्कृति से जुड़ा हुआ है। पेड़-पौधे और जानवर हमारे मित्र हैं। इसलिए बड़े-बड़े बाग-बगीचे और पार्कों को 'शहर का फेफड़ा' कहा जाता है।

हमारी संस्कृति में पेड़ लगाना, पुण्य-कार्य माना जाता है। पीपल, बरगद, आम, नीम, जामुन, आँवला जैसे उपयोगी वृक्षों के रोपण को महान धार्मिक कृत्य माना गया है। पेय जल स्त्रोतों के निकट मल-मूत्र त्याग को पापकर्म माना गया है।

पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए अधिक आवश्यकता इस बात की है कि कल-कारखाने से निकलने वाले प्रदूषित जल और कूड़े-कचरे के शुद्धिकरण की व्यवस्था की जाए। सरकारी स्तर पर इस दिशा में अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में हम स्वयं भी सहयोग दे सकते हैं। यह काम दो तरह से कर सकते हैं। पहला यह कि हम गंदगी न फैलाएँ और दूसरा कि जहाँ गंदगी हो उसे साफ करने में सहयोग दें। अपने आसपास की नालियों को साफ

रखें और जहाँ-तहाँ कूड़ा-कचरा आदि न फेंके। खुले में मल-मूत्र विसर्जित न करें। साथ ही अधिक वृक्ष लगाएँ ।

इस प्रकार हम देखते हैं कि आधुनिक युग में चारों प्रकार के प्रदूषण-भूमि प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण फैल रहे हैं। भविष्य में इसका दुष्प्रभाव कितना फैलेगा, बताना मुश्किल है। हम जानते हैं कि प्रायः सभी जीवधारियों के लिए प्राणवायु (ऑक्सीजन) आवश्यक है। यदि प्राणवायु दूषित हो जाएगी तो जीवधारियों को जीने के लाले पड़ जाएँगे। हवा के बाद हमारी दूसरी आवश्यकता है पानी पानी भी अब शुद्ध नहीं मिलता है। अब तो पूरी नदी का पानी ही प्रदूषित हो जाता है।

आज हमारा मौसम चक्र बहुत बदल गया है, बल्कि अनिश्चित-सा ही हो गया है। अब कहीं अतिवृष्टि होती है, कहीं अल्पवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि ।

**प्रश्न :**

(क) उपयुक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(ख) पर्यावरण का हमारे जीवन में क्या संबंध है ?

(ग) पेड़ लगाने को हमारी संस्कृति में क्या माना जाता है?

(घ) पर्यावरण प्रदूषण को कैसे रोका जा सकता है?

(ङ) प्रदूषण कितने प्रकार का है और कौन-कौन हैं?

(च) प्राणवायु किसे कहा जाता है और क्यों?

(छ) हवा के बाद हमारी दूसरी आवश्यकता क्या है?

(ज) मौसम चक्र बिगड़ने से पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा है?

## खण्ड ख : रचना (15 अंक)

**प्रश्न 3. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर / निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखें:**

**(क) मेरे जीवन का लक्ष्य :**

(संकेत बिन्दु-लक्ष्य की आवश्यकता, मेरा जीवन लक्ष्य, यह प्रेरणा कैसे मिली, लक्ष्य प्राप्ति की तैयारियाँ।)

**(ख) भ्रष्टाचार की समस्या :**

(संकेत बिन्दु-भ्रष्टाचार क्या है? भ्रष्टाचार का बढ़ता स्वरूप, भ्रष्टाचार क्यों और कैसे? भ्रष्टाचार को रोकने का उपाय ।)

**(ग) भारतीय नारी एवं शिक्षा :**

(संकेत बिन्दु - विविध मत, भारत में नारी शिक्षा का संक्षिप्त इतिहास, नारी निरक्षरता के कुपरिणाम, नारी का महत्त्व उपसंहार।)

**प्रश्न 4. अपनी वार्षिक परीक्षा की तैयारी का वर्णन करते हुए पिताजी को एक पत्र लिखिए।**

अथवा

**अपने मुहल्ले में नियमित विद्युत आपूर्ति हेतु सहायक विद्युत अभियंता को एक अनुरोध पत्र लिखिए।**

## खण्ड ग : व्यावहारिक व्याकरण (15 अंक)

**प्रश्न 5. वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के भेदों (अकर्मक-सकर्मक) को लिखिए:**

(i) लड़के रोने लगे।

(ii) बहन भाई को राखी बाँधती है।

(iii) मैं समाचारपत्र पढ़ता हूँ।

**प्रश्न 6. रिक्त स्थानों की पूर्ति अव्यय पदों से कीजिए:**

(i) ..... कैसा सुदर दृश्य है।

(ii) बच्चा बहुत देर ..... रोता रहा।

(iii) अनुराग अब ..... स्वस्थ है।

**प्रश्न 7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:**

(i) सच बोलने वाले को कोई डरा नहीं सकता। (मिश्र वाक्य में बदलें।)

(ii) मैं भी वहीं जा रहा हूँ जहाँ से तु आये हो। (आश्रित उपवाक्य को अलग कीजिए।)

(iii) उपवाक्य किसे कहते हैं?

**प्रश्न 8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:**

(i) मुझसे चला नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलें)

(ii) 'भिखारी रात भर सो नहीं सका । (भाववाच्य में बदलें।)

(iii) बालक द्वारा पत्र लिखा जा रहा है। (यह वाक्य किस वाच्य में है?)

**प्रश्न 9. (i) 'धर्माधर्म' का समास विग्रह करें।**

(ii) 'प्रतिदिन' कौन समास है?

(iii) 'कनक' के दो भिन्न अर्थ लिखें।

**खण्ड - घ: पाठ्य पुस्तकें (50 अंक)**

**प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

विकल विकल उन्मन थे उन्मन

विश्व के निदोष के सकल जन

आए अज्ञात दिशा से अनंत के धन।

तप्त धरा जल से फिर

शीतल कर दो

बादल, गरजो ।

**प्रश्न-**

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए ।

(ख) कौन विकल और अनमने थे तथा क्यों?

(ग) यहाँ 'निदोष' का क्या अर्थ है?

(घ) इस पद्यांश में किन-किन शब्दों की पुररुक्ति हुई है?

**अथवा**

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया

जितने ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।

प्रभुत का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

**प्रश्न:-**

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) कवि यश, वैभव, मान और सम्मान को क्यों अस्वीकार कर रहा है?

(ग) 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं?

(घ) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा' का अर्थ लिखें।

**प्रश्न 11. निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया?

(ख) कवि देव के पठित कविता के आधार पर स्पष्ट करें कि ऋतुराज वसंत के बाल रूप का वर्णन परम्परागत वसंत वर्णन से किस प्रकार भिन्न है?

(ग) माँ को अपनी बेटी 'अंतिम' क्यों पूंजी लग रही थी? लिखिए।

(घ) संगतकार से व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?

**प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) गोपियों ने अपने वाक्चातुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्धव को परास्त कर दिया। उनके वाक्चातुर्य की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।

(ख) फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहते हैं?

**अथवा**

(क) 'फसल' कविता का प्रतिपाद्य (विषय-वस्तु) पर प्रकाश डालिए ।

(ख) संगतकार के माध्यम से कवि ने किसी प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाहा है?

**प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

बेटे की क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किन्तु ज्योंहि श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती-मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा. बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लु पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए। लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा-यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती ?

**प्रश्न-**

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) भगत जी ने अपनी पतोहू को कहाँ और क्यों भेजने का निर्णय लिया।

(ग) भगत जी की पतोहू की क्या इच्छा थी?

(घ) भगत जी की आखिरी दलील क्या थी?

**अथवा**

संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है। यह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु । क्षण-क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज को पकड़कर बैठा नहीं जा सकता। मानव ने जब जब प्रज्ञा और मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है, तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की जरूरत है।

मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याणकारी की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है।

प्रश्न - (क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) मानव संस्कृति में कौन-सी स्थायी है और क्यों?

(ग) क्षण-क्षण परिवर्तन' द्वारा लेखक ने क्या कहना चाहा है?

(घ) 'प्रज्ञा' और 'मैत्री' का अर्थ लिखिए ।

**प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(क) खेती-बड़ी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?

(ख) लेखक की नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं?

(ग) फादर बुल्के ने सन्यासी की परम्परागत छवि से अलग एक नयी छवि प्रस्तुत की है, कैसे ? लिखिए। https://www.jharkhandboard.com

(घ) लेखिका (मनु) के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा लिखिए।

**प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

(क) 'लखनवी अंदाज' पाठ का क्या संदेश है?

(ख) काशी में हो रहे कौन से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?

**अथवा**

(क) तब की शिक्षा प्रणाली और अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) “वो लँगड़ा क्या जाएगा फॉज में। पागल है पागल।" यह कथन किसने, किससे कहा?

**प्रश्न 16. 'माता का आँचल' पाठ में माता-पिता का बच्चे के प्रति जो वात्सल्य व्यक्त हुआ है, उसे अपने शब्दों में लिखिए ।**

अथवा

**पाठक यात्रा-वृत्तांत में लेखिका के द्वारा हिमालय के जिन-जिन रूपों का चित्रण किया गया हैं उसे अपने शब्दों में लिखिए।**

**प्रश्न 17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :**

(क) जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भारतीय नेता, यहाँ तक कि भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक ने किस ओर संकेत करना चाहा है? लिखिए।

(ख) 'कटाओं' पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है। कैसे? लिखिए।

(ग) दुलारी और टुन्नु से पहली बार परिचय कहाँ और किस रूप में हुआ?

(घ) लेखक (अज्ञेय) ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भौक्ता कब और किस तरह महसूस किया?